

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक ३१ मार्च २००५

विषय : वित्तीय वर्ष २००४-०५ के लिए आयोजनागत मदों में पुनर्विनियोग द्वारा धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: ११४७/मु०अ०वि०/बजट/बी-१, सामान्य, दिनांक १४.०३.२००५ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न बी०एम०-१५ पर अंकित विवरणानुसार उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा रू० ४०.०० लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- १- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- २- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्रावकलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- ३- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- ४- स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष सिंचाई विभाग उत्तरांचल द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा।
- ५- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- ६- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक भारत सरकार, महालेखाकार उत्तरांचल राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

क्रमशः.....२

- 7- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- विभागीय कार्य करने से पूर्व लोक निर्माण/सिंचाई विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2005 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा और यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक की अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत संलग्नक में आयोजनागत पक्ष के उल्लिखित उप शीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 401/वि० अनु०-1/2004 दिनांक 31 मार्च 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

टीकम सिंह पंवार
संयुक्त सचिव

संख्या ११५ / ११-2005-03-(05)/05, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वित्त वित्त अनुभाग-3।
- 3- श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट, अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 6- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- कोषाधिकारी/जिलाधिकारी, देहरादून उत्तरांचल।
- 8- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।


(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

अनुसूची-२०

प्राप्त ०५ २००४-०५

(अथर्ववेद)

(आनंदविनि ह्यनार नः॥ २॥)

प्रशासनिक (भाग) :- सिवार्ड विभाग

वृत्त प्रमाण एवं लेखाधीनक का विवरण	मात्रक पद्धति प्रमाणिक व्यय 02/05 एक	वित्तीय वर्ष को बीच अवधि में अनुभविता वर्ष	अवशेष संरक्षण प्रवर्धित	लेखाधीनक विवरण प्रवर्धित स्थान-वर्धित की जानी है	मुनीनियोग को बाद संरक्षण-5 की कुल धनराशि	मुनीनियोग को बाद संरक्षण-5 की कुल धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
4701- मुख्य तथा गवयन सिवार्ड पर पूर्णगण परिचय 01- मुख्य सिवार्ड प्राधिकारक 147- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण 02- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण सहायकों से प्राप्ति (गवयन)-00 24- गवयन सिवार्ड का 20000	1113	6777	32110	4701- मुख्य तथा गवयन सिवार्ड पर पूर्णगण परिचय 01- मुख्य सिवार्ड प्राधिकारक 147- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण 02- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण सहायकों से प्राप्ति (गवयन)-00 24- गवयन सिवार्ड का 20000	1098	160	लघु काल नहर में उपलब्ध कृषि से को रु. 40.00 लाख में व्यावसायिक लाभार्थी को अनुमानित रु. 10000 (नियंत्रण की गोपनीयता पर नियंत्रण लागू प्रवर्धित है।
4701- मुख्य तथा गवयन सिवार्ड पर पूर्णगण परिचय 01- मुख्य सिवार्ड प्राधिकारक 147- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण 02- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण सहायकों से प्राप्ति (गवयन)-00 24- गवयन सिवार्ड का 20000	1113	6777	32110	4701- मुख्य तथा गवयन सिवार्ड पर पूर्णगण परिचय 01- मुख्य सिवार्ड प्राधिकारक 147- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण 02- गवयन सिवार्ड की अनुमानित गवयन का पुनर्वितरण सहायकों से प्राप्ति (गवयन)-00 24- गवयन सिवार्ड का 20000	1098	160	लघु काल नहर में उपलब्ध कृषि से को रु. 40.00 लाख में व्यावसायिक लाभार्थी को अनुमानित रु. 10000 (नियंत्रण की गोपनीयता पर नियंत्रण लागू प्रवर्धित है।

ସାମାନ୍ୟ ଡିଜିଟାଲ ଗଣନା ଏବଂ ଡିଜିଟାଲ ସିଗ୍ନାଲ ପ୍ରକ୍ରିୟାକରଣ ପାଇଁ ଏହା ଏକ ଉତ୍କର୍ଷ ଅଟେ । ଏହା 1980, 1981, 1982 ଏବଂ 1983 ମସିହାରେ ପ୍ରକାଶିତ ହୋଇଥିଲା । ଏହା ଏକ ଉତ୍କର୍ଷ ଅଟେ ।

ਦੇਵੀ ਮੈ,

महावीरप्रभातं सुतरांभलं, दीप्त्ययनं ।

प्रसिद्धि निम्नलिखित का शुभभार्य एवं आपराधिक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1- विक्ता अनुभाषः-2 उत्तरार्धतः शालन, देवतादुन ।
2-यसिष्ट कोषाधिकारी, देवतादुन उत्तरार्धतः ।

२-परिचय को भाषिकाधीन बोलचाल में ।

04/01/2024 21:00
 04/01/2024 21:00
 04/01/2024 21:00
 04/01/2024 21:00

गुनीशानाम् शरीरम्
(रामा शरीरम्)
शरीरम् (शरीरम्)

(सहायक निदेशक)

(महाराष्ट्र शासन)
का. सा. वि. व.